दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

मूल्य	2
पेज	2
वर्ष	3

पटना।मंगलवार, 5 सितंबर 2023 | संपादक- कृष्णा टेकड़ीवाल | मो. +91-9801716267 | पटना से प्रकाशित

संक्षिप्त खबर

पटना डीएम को देखने पारस पहुंचे सीएम नीतीश

डेस्क न्यूज। बिहार पत्रिका

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पारस अस्पताल जाकर पटना के जिलाधिकारी चन्द्रशेखर सिंह का हाल चाल जाना। उन्होंने डीएम से बातचीत की और उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अस्पताल के चिकित्सकों से भी उनके इलाज के संबंध में जानकारी ली। डेंगू से संक्रमित होने के बाद पटना डीएम का पारस अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मैट्रिक परीक्षा के लिए 17 तक भरे जाएंगे फॉर्म

डेस्क न्यूज। बिहार पत्रिका

पटना। बिहार हार बोर्ड ने मैट्रिक वार्षिक परीक्षा 2024 के लिए फॉर्म भरने की तिथि जारी कर दी है। पोर्टल तीन सितंबर से खुला है। आवेदन 17 सितंबर तक होगा। इसके लिए सामान्य कोटि के छात्र-छात्राओं को 1010 रुपये व आरक्षित कोटि के 895 रुपये शुल्क देना होगा। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए दो प्रकार के आवेदन पत्र पोर्टल **http://secondary.biharboardonline.com/** पर अपलोड किया गया है। सत्र 2023-24 के लिए रजिस्टर्ड नियमित एवं स्वतंत्र कोटि के विद्यार्थियों के लिए दो खंडों ए और बी में खंड ए में एक से 15 तक विद्यार्थी का विवरण भरा हुआ है, जो विद्यार्थी के रजिस्ट्रेशन विवरणों के आधार पर है। परीक्षा फॉर्म में आधार नंबर देना अनिवार्य है। लेकिन अगर छात्र के पास नहीं है तो इसकी जानकारी भी छात्र देंगे। ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म या शुल्क में किसी प्रकार की असुविधा होने पर **हेल्पलाइन नंबर 0612-2232074** पर संपर्क कर सकते हैं।

बिहार के स्कूलों में कम नहीं होगी छुट्टी, शिक्षा विभाग ने सातवें दिन वापस लिया आदेश

डेस्क न्यूज। बिहार पत्रिका

पटना. शिक्षा विभाग ने राज्य के सरकारी स्कूलों में पहले से घोषित अवकाशों की जगह रक्षा बंधन समेत कई छुट्टियों को खत्म करने सबंधी अपने आदेश को सोमवार को वापस ले लिया. शिक्षा विभाग ने 29 अगस्त को जारी छुट्टियों के संबंधित आदेश को चार सितंबर को रद्द कर दिया है. विभाग ने इसके सात दिन पहले 29 अगस्त को नया आदेश जारी कर रक्षा बंधन, तीज, जन्माष्टमी और जीतिया जैसे पर्व की छुट्टियां रद्द कर दी थी. शिक्षा विभाग के इस आदेश के खिलाफ भाजपा के साथ साथ शिक्षक संघ ने भी विरोध किया था.

शिक्षा विभाग ने कहा था कि स्कूलों में अधिक से अधिक पढ़ाई हो, इसके लिए अवकाश में संशोधन किया गया है. सोमवार को विभाग ने दो लाइन का आदेश जारी कर कहा कि 29 अगस्त को प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों में छुट्टियां संबंधित आदेश को निरस्त किया जाता है|

29 अगस्त को जारी हुआ था आदेश

गौरतलब हो कि 29 अगस्त को जारी आदेश के तहत अब दिसंबर तक मात्र 11 छुट्टियां होनी थी. इनमें तीन रविवार भी शामिल थे. शिक्षा विभाग ने गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा 27 नवंबर, जीवित पुत्रिका व्रत छह अक्टूबर और हरतालिका तीज की 18 और 19 सितंबर तथा जन्माष्टमी सात सिंबर का अवकाश समाप्त कर दिया था. त्योहारों पर होने वाली छुट्टी का स्कूली बच्चों से लेकर टीचर्स तक को इंतजार रहता है. लेकिन बिहार में इस बार कई अहम त्योहारों पर मिलने वाली छुट्टियां खत्म कर दी गई थी और कई में कटौती की गई थी.

क्या था आदेश

शिक्षा विभाग के सचिव केके पाठक ने कुछ दिन पहले ही प्राइमरी से लेकर उच्च विद्यालयों में होने वाली छुट्टियों में कमी का आदेश जारी किया गया था. दिसंबर तक विभिन्न पर्व और त्योहारों पर स्कूलों में कुल 23 छुट्टियां होनी थी. लेकिन इनकी संख्या घटाकर सिर्फ 11 कर दिया गया था. दुर्गापूजा में अभी तक छह छुट्टियां मिलती थीं. लेकिन इनकी संख्या रविवार जोड़कर सिर्फ तीन दिन कर दी गई थी. इसी तरह दिवाली, चित्रगुप्त पूजा, भैया दूज और छठ पूजा की छुट्टी 13 से 21 नवंबर तक छुट्टी घोषित की गई थी. लेकिन इसमें कमी करते हुए मात्र चार दिन कर दिया गया है.

दीपावली से छठ तक मिलती थी छुट्टी

गौरतलब है कि इससे पहले दीपावाली से छठ तक छुट्टियां मिलती थीं. इस साल भी में 13 नंवबर से 21 नवंबर तक छुट्टी निर्धारित थी. अब दिवाली पर 12 नवंबर, चित्रगुप्त पूजा पर 15 नवंबर और छठ पूजा पर सिर्फ दो दिन छुट्टियां मिलेंगी. छठ पूजा के अवसर पर 19 और 20 नवंबर को छुट्टी रहेगी. बिहार शिक्षा विभाग ने कहा है कि शिक्षा का अधिकार कानून 2009 में पहली से 5वीं तक कम-से-कम 200 दिन तथा छठी कक्षा से आठवीं तक कम-से-कम 220 दिनों के कार्यदिवस का प्रावधान है. इसके तहत ही नई लिस्ट बनाई गई है.

शिक्षक संघ ने किया था विरोध

बिहार शिक्षक संघ ने 5 सितंबर से सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करने का फैसला किया था. इस संबंध में रविवार को गांधी मैदान स्थित यूथ हॉस्टल में चार घंटे तक बैठक हुई, जिसमें 15 शिक्षक संघों ने हिस्सा लिया था. संघों ने सर्वसम्मति से इस वर्ष शिक्षकों की छुट्टियां रद्द करने का विरोध करने का निर्णय लिया. टीईटी प्राथमिक शिक्षक संघ के संयोजक राजू सिंह ने कहा था कि हम साल में 252 दिन काम कर रहे हैं, जबकि शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य केवल 220 दिन है. फिर भी विभाग ने शिक्षकों की छुट्टियों में कटौती कर दी है. हमने सरकार की कार्रवाई के खिलाफ आंदोलन शुरू करने का फैसला किया था, लेकिन सरकार ने आदेश वापस ले लिया है. शिक्षक संघ बिहार के अध्यक्ष केशव कुमार ने कहा कि सरकार के ताजा फैसले के बाद 5 सितंबर से प्रस्तावित आंदोलन को वापस ले लिया गया है.

दारोगा की नियुक्ति प्रक्रिया अक्टूबर तक पूरी होगी

डेस्क न्यूज। बिहार पत्रिका

पटना। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग के अध्यक्ष केएस द्विवेदी ने कहा कि अवर निरीक्षक(दारोगा) मद्य निषेध एवं अनुमंडल अग्निशामालय पदाधिकारी के कुल 64 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया अक्टूबर तक संपन्न कर ली जाएगी। इन पदों के लिए रविवार को संयुक्त मुख्य लिखित परीक्षा का आयोजन स्थानीय टीपीएस कॉलेज परिसर में किया गया। कुल 13 कमरों में परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा देने की व्यवस्था की गई थी। सभी कमरों की वीडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से ऑनलाइन निगरानी आयोग मुख्यालय से की गयी। मुख्य परीक्षा में कुल 1280 अभ्यर्थी शामिल हुए। इसके बाद शारीरिक जांच परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। शारीरिक जांच परीक्षा के लिए कुल सीट के छह गुणा अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। शारीरिक जांच परीक्षा के माध्यम से अंतिम चयन किया जाएगा। श्री द्विवेदी ने यह जानकारी रविवार को आयोग कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दी। श्री द्विवेदी ने बताया कि इन पदों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन संख्या-01/2023 के तहत मार्च में आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए थे। कुल 64 पदों के लिए 66, 398 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। 16 जुलाई को इन पदों के लिए प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन किया गया था। प्रारंभिक परीक्षा में कुल पदों के 20 गुणा अभ्यर्थियों को मुख्य लिखित परीक्षा के लिए सफल घोषित किया गया। उन्होंने बताया कि मुख्य लिखित परीक्षा दो पालियों में ली गयी, जिसमें वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का उत्तर देना था। सामान्य हिंदी और सामान्य ज्ञान की दो-दो घंटे की परीक्षा आयोजित की गयी। परीक्षा के दौरान एक अभ्यर्थी को आपराधिक गतिविधि के लिए निष्कासित किया गया। इसके पूर्व आयोग के विशेष कार्य पदाधिकारी किरण कुमार ने मुख्य परीक्षा के आयोजन की लाइव रिकॉर्डिंग रूम को दिखाया और निगरानी से जुड़ी अन्य जानकारियां दी।

अवैध हथियार के साथ एक युवक का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल पुलिस को खुलेआम दे रहा है। चुनौती

बिहार पत्रिका: मों साजिद

गोगरी: सोशल मिडिया पर पिछले कई दिनों से रॉकी कुमार नामक युवक का फोटो देशी कट्टा के साथ वाइरल होरहा है। सूत्रों से जानकारी मिल रही है की युवक गोगरी थाना क्षेत्र के कठघरा दियरा निवासी है। लगभग 6 महीना से वायरल हो रहा है। लेकिन उसके बावजूद स्थानीय पुलिस उस युवक पर कार्रवाई नहीं कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार बताया जा रहा है। कि युवा पीढ़ी कानून व्यवस्था को खुलेआम चुनौती करता है। वायरल वीडियो की पुष्टि विहार पत्रिका नहीं करती है सोशल मीडिया पर काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। वायरल वीडियो का आज यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है। एवं युवक की मनमानी चरम सीमा पर है। कई बार कार्रवाई भी हुआ है। दूसरे लड़के पर लेकिन रॉकी नामक युवक का मनोबल दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहा है। और यह पूर्व से भी कई मामलों में फिरार भी चल रहा है।

रास्ता विवाद को लेकर 50 वर्षीय व्यक्ति हुआ जख्मी

ब्यूरो रिपोर्ट। बिहार पत्रिका

खगड़िया: जिला के अंतर्गत बेलदौर प्रखंड में दबंग के द्वारा रास्ते को अवरुद्ध कर 50 वर्षीय व्यक्ति के साथ बुरी तरह से मारपीट किया गया। मारपीट में वह व्यक्ति ज़ख्मी हो गए। घायल अवस्था में परिजनों के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलदौर लाया गया। जहां डॉक्टरों के द्वारा प्राथमिक उपचार कराया गया । इस मामला को लेकर बेलदौर थाना क्षेत्र के बलैठा पंचायत जोरावरपुर पचाठ निवासी बुच्चन यादव के 50 वर्षीय पुत्र फूलों यादव मारपीट की शिकायत बेलदौर पुलिस को लिखित आवेदन देकर किया है। उक्त व्यक्ति ने आवेदन में जिक्र किया है कि बीते रविवार को करीब ढाई बजे दिन में 26 वर्षीय रजनीश यादव, 22 वर्षीय हरे राम यादव, 50 वर्षीय संजय यादव ई रिक्शा लेकर ढाढ़ी से डुमरी जा रहे थे। इस दौरान ऑटो से जा रहे सुखो यादव के घर के समीप से पहले नामित व्यक्ति ई रिक्शा से बार-बार होरन बजाकर साइड मांग रहे थे। उक्त व्यक्ति के द्वारा साइड नहीं दिए जाने के कारण रजनीश यादव ने सुखो यादव के घर के सामने मेरे रस्ते को घेर घराव कर मेरा ऑटो को रोक दिया और गाली गलौज करते हुए गाड़ी का चाबी छीन लिया, विरोध करने पर दबंगों ने बुरी तरह से मारपीट कर घायल कर दिया। उक्त व्यक्ति लोग अपराधी परवर्ती के बताए जाते हैं। मारपीट के दौरान पैकेट से करीब करीब 8 हजार रुपया सोने की चक्की ले लिया, दबंग व्यक्ति जाते-जाते धमकी दिया कि यदि मेरे विरोध में थाना में आवेदन दोगे तो परिवार समेत तुम्हें जान से मार दूंगा। वहीं थाना अध्यक्ष परेंद्र कुमार मामले को गंभीरता से लेते हुए अपने अधीनस्थ कमी को छानबीन करने के लिए विवादित स्थल पर भेज दिया। इन दिनों बेलदौर थाना क्षेत्र के विभिन्न जगह जमीनी विवाद का लेकर मामला लगातार आ रहा है। ताजा मामला प्रकाश में आया जहां पर रास्ते को लेकर विवाद छिड़ गया है। और चर्चा का विषय बन गया है। खाली का इस मामले की जांच थाना प्रभारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मामले की गहन जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी

पर्चा आदि सवालों को लेकर सीपीआईएम ने दिया धरना

ब्यूरो रिपोर्ट। बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले के परबत्ता में पर्चा आदि के सवालों को लेकर सोमवार को नगर पंचायत मुख्यालय में धरना दिया भूमिहीनों के बीच पर्चा वितरण नहीं करने आदि के सवालों को लेकर सीपीआईएम नेता संजय कुमार सिंह जमकर बरसे। मौके पर उन्होंने कहा की भूमिहीनों के बीच बास की जमीन को लेकर पर्चा का वितरण करने सहित पांच सूत्री मांगे पूरी नही हुई तो आने वाले दिनों में प्रखंड से लेकर सांसद तक आंदोलन करेंगे। सरकार की ईट से ईट बजा देगे। वही पार्टी के वरिष्ट नेता हरेराम चौधरी आदि ने केंद्र की सरकार को पूंजीवाद की सरकार होने की बातें कही। इस मौके पर पार्टी के नेता नवीन चौधरी ने कहा कि गत 65 के दशक में प्रखंड के सैकड़ो भूमिहीनों के बीच पर्चा का वितरण किया गया है, लेकिन कुछ लोगो को छोड़कर अधिकांश लोगो को जमीन पर दखल तक नही दिला सकी है। धरना में पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

9 दिवसीय भागवत कथा को लेकर 351 कुमारी कन्याओं ने कलश शोभा यात्रा निकाली

बिहार पत्रिका: एक संवाददाता

बेलदौर: प्रखंड में 9 दिवसीय भागवत कथा को लेकर 351 कुमारी कन्याओं ने कलश शोभा यात्रा निकाली, मालूम हो कि बेलदौर प्रखंड क्षेत्र के दिघौन दुर्गा मंदिर से 351 कुमारी कन्याओं ने पांव पैदल चलकर बाबा विश्धु स्थान के समीप पहुंचकर पंडितों के द्वारा मंत्रो उच्चारण कर कलश में जल भर गया जो कलश यात्रा दिघौन गांव के गली-गली में भ्रमण किया। वही श्री कृष्णा राधे राधे का नारा गुंजाई मान हो रहा था। बताते चलें कि भागवत कथा उक्त गांव के ग्रामीणों के सहयोग से 9 दिवसीय होगा। ।

बताते चलें कि भागवत कथा में वृंदावन से पांच पंडित आए हुए हैं। उनके द्वारा भागवत कथा होगा। मालूम हो की कलश शोभा यात्रा को सफल बनाने को लेकर उक्त गांव के सैकड़ो ग्रामीण मोटरसाइकिल के साथ-साथ छोटे-छोटे बच्चे कलश शोभा यात्रा में भाग लिए। बताते चलें की बारिश होने के कारण दोपहर के करीब 12 बजे से कलश शोभा यात्रा बाबा विश्धु स्थान से निकल गई जो उक्त गांव का भ्रमण करते हुए जगस्थल पर पहुंचकर विराम लिया। वहीं ग्रामीणों के द्वारा कलश शोभा यात्रा में कुमारी कन्याओं जो भाग ली उन्हें ठंडा शरबत पानी एवं फिर भोजन का आयोजन किया गया था

हार्पिक युवाओं को करेगा शौचालय से जुड़ी अच्छी आदतों के बारे में शिक्षित

पटना| शौचालय स्वच्छता श्रेणी में अग्रणी ब्रांड हार्पिक ने सेसमे वर्कशॉप इंडिया ट्रस्ट के साथ मिलकर स्वच्छता शिक्षा फ्रेमवर्क" पर आधारित एक विशेष किट का अनावरण किया। अभिनव किटाणुओं को दूर भगाओ! किट को हार्पिक के मिशन स्वच्छता और पानी अभियान का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी, 2020) और नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (2022) के अनुरूप डिजाइन किया गया है। इस अनूठी किट का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और छोटे बच्चों में स्वच्छ शौचायल की आदतों को विकसित करना है, जिससे उनमें अच्छे स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता" के महत्व को पैदा किया जा सके। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, हार्पिक और सेसमे वर्कशॉप इंडिया ट्रस्ट पुरी, ओडिशा के आश्रमशालाओं में 17 लाख बच्चों को किट वितरित करेगी। 3डी पॉप-अप किताबों, 3डी जिगशॉ पजल्स, और एक एक्टिविटी बुकलेट वाली इन किटों को सेसमे के लोकप्रिय पात्रों एल्मो, चमकी, नीला जादूगर और केके किटाणु की मदद से बच्चों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। यह पहल सभी के लिए सुरक्षित शौचालय" सुनिश्चित करने के हार्पिक के मिशन का हिस्सा है और बच्चों को युवा राजदूत बनने के लिए ज्ञान प्रदान करेगी, जो साफ-सफाई के महत्व को समझते हैं। इसके अलावा, उन्हें स्वच्छता चैंपियंस के रूप में पहचान बनाने के अवसर के साथ, अगले व्यक्ति के लिए शौचालय को साफ रखने की प्रतिज्ञा लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। किट को कहानी की शक्ति के माध्यम से स्कूली बच्चों के बीच भाषाओं की बाधाओं को तोड़ने और सकारात्मक व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए विशेषरूप से तैयार किया गया है। सेसमे वर्कशॉप के रंग-बिरंगे और प्यारे मपेट पात्रों को बच्चों द्वारा पसंद किया जाता है और बच्चों से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने के तरीकों की वकालत करने के लिए विश्व स्तर पर उनकी सराहना की जाती है। कार्यक्रम के लिए विकसित पाठ्यक्रम का उद्देश्य सकारात्मक मूल्यों और व्यवहार को प्रोत्साहित करते हुए कहानी सुनाने के प्रति लगाव को बढ़ावा देना है। हार्पिक मिशन स्वच्छता और पानी अभियान के उद्देश्य के अनुरूप, इसका फ्रेमवर्क तीन प्रमुख स्तंभों - पहुंच, उपयोग और देखभाल पर आधारित है, और यह संदेश: एक साफ-सुथरा शौचालय - एक अधिकार, सुरक्षित शौचालय का उपयोग - एक आदत और व्यवहार में बदलाव लाना - इसे सुरक्षित बनाए रखना, को फैलाने पर केंद्रित है।

नदियों के जलस्तर में हो रही है कमी

बिहार पत्रिका।

खगड़िया। जिले की सभी नदियों में पिछले कुछ दिनों से जलस्तर में लगातार कमी देखने को मिल रही है। हालांकि इसके बावजूद अब भी कोसी और बागमती नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जबकि गंगा और बूढ़ी गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे बताया गया है। जानकारी के अनुसार कोसी नदी अब भी खतरे के निशान से 80 सेंटीमीटर ऊपर है। जबकि बागमती नदी खतरे के निशान से अब भी एक मीटर 16 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। दूसरी ओर गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 76 सेंटीमीटर नीचे और बूढ़ी गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 68 सेंटीमीटर नीचे बताया जा रहा है। जल संसाधन विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार की सुबह कोसी नदी बलतारा गेज के समीप समुद्र तल से 34.65 मीटर ऊंचाई पर दर्ज किया गया। जबकि बागमती नदी का जलस्तर संतोष स्लुईस गेट के समीप समुद्र तल से 36.79 मीटर ऊंचाई पर बहने की बात बताई गई। गंगा नदी का जलस्तर 33.31 मीटर और बूढ़ी गंडक नदी का जलस्तर 35.92 मीटर दर्ज किया गया।

बौंसी में विद्युत आपूर्ति बाधित रहने से उपभोक्ता हलकान

बिहार पत्रिका। कुमार चंदन

बौंसी। बांका। बिहार। जिलांतर्गत बौंसी प्रखंड और नगर पंचायत क्षेत्र में इन दिनों बिजली कटौती की समस्या ने लोगों को परेशान कर रखा है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रतजगा करना पड़ रहा है, इसके साथ- साथ शहरी क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जब बिजली कटौती की जानकारी के लिए विद्युत विभाग के पदाधिकारी को फोन किया जाता है तो वह उपभोक्ता से बात तक करने को तैयार नहीं होते। उपभोक्ता का फोन ही रिसीव नहीं करते हैं। जब विद्युत कटौती की जानकारी के लिए बिजली ऑफिस में फोन किया जाता है तो, ज्यादातर बिजली कटौती के बाद फोन स्विच ऑफ रहता है, जिसको लेकर भी उपभोक्ता परेशान

रहते हैं। दिन के अलावा रात में भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, रात में बिजली नहीं रहने की वजह से लोगों को दिक्कतें हो रही है। बिजली कटौती की वजह से सबसे ज्यादा परेशानी घरेलू कार्यों में हो रही है। रोजाना बिजली कटौती से लोगों में भी काफी आक्रोश है। इस बावत स्थानीय लोगों ने कहा कि बिजली कटौती की समस्या से काफी परेशानी हो रही है। बिजली विभाग के राहुल कुमार ने बताया कि पावर का सप्लाई कम होने के साथ-साथ कई जगहों पर जंफर टूटने की वजह से विद्युत आपूर्ति बाधित हो रही है, जिसे जल्द सुधार कर लिया जायेगा। जबकि बौंसी शहर को मात्र तीन मेगा बिजली सप्लाई दिया गया है। चर्चा है कि बाराहाट- बांका के बीच 33 हजार केवी का एक फेज फाल्ट के कारण ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्र के लोग भी घंटों परेशान हुए। विभाग ने कहा कि उपर से ही डेढ़ मेगावाट बिजली और कमी कर दी गई है, लोड सेटिंग में काट-काटकर चलाना मजबूरी है। बौंसी पावर हाउस में बौंसी और बाराहाट ग्रामीण फीडर है। बाराहाट पावर हाउस से 33 हजार केवी बांका ग्रिड से संचालित है। बौंसी और बाराहाट ग्रामीण के इन दो फीडरों में रात 11 बजे से 12 बजे तक बाराहाट फीडर के सबलपुर, नगर पंचायत के झपनियां, बौंसी मेला ग्राउंड, पंडा टोली, रामनगर, भैयाभीठा में बिजली की गंभीर समस्या है। वहीं बौंसी ग्रामीण फीडर के लक्ष्मीपुर डैम, अंगारु जबड़ा से लेकर श्यामबाजार, डहुआ, कैरी, फागा, असनाहा, सरुआ, गोकुला, सांपडहर आदि दर्जनों गांव में चार बजे सुबह तक लाइन नहीं मिलने से उपभोक्ता परेशान रहे।

राजावर मोड़-नवादा बाजार सड़क मार्ग गड्ढे में तब्दील

यात्रियों से मनमाने ढंग से भाड़े वसूल रहे वाहन चालक

बिहार पत्रिका। प्रीतम कुमार राव

रजौन। बांका। बिहार। भागलपुर-हंसडीहा मुख्य सड़क मार्ग पर अवस्थित रजौन प्रखंड का प्रमुख सड़क मार्ग राजावर मोड़-नवादा सड़क अपनी बदहाली की वजह से इन दिनों पैदल चलने लायक भी नहीं रह गया है। मालूम हो राजावर मोड़ चौक से लेकर नवादा बाजार शहीद सुधांशु चौक की दूरी महज 9 किलोमीटर है, जो सड़क मेंटेनेंस व रखरखाव सहित अन्य वजह से जगह-जगह गड्ढों में तब्दील होकर इन दिनों दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रहा है। बरसात के दिनों में यह सड़क मार्ग जगह- जगह तालाब का रुप ले लिया है। समय- समय पर मरम्मत नहीं होने की वजह से इस सड़क मार्ग पर जगह- जगह खतरनाक बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। इस गड्ढेनुमा सड़क मार्ग पर वाहनों को कौन पूछे पैदल यात्रियों को भी चलने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। बारिश का पानी गड्ढों में भर जाने की वजह से पैदल चलने वाले राहगीरों सहित आमजनों को जहां बिन मौसम होली खेलनी पड़ती है, वहीं कभी-कभार दोपहिया वाहनों के साथ-साथ ई-रिक्शा एवं ऑटो जैसे वाहनों से सफर करने वाले यात्रियों को जान को काफी जोखिम में डालते एवं कई समस्याओं का सामना करते हुए इस सड़क मार्ग से गुजरना

पड़ रहा है। इस सड़क मार्ग से लाभान्वित होने वाले नीमा, लश्करी, दर्जीकिता, महिषाचंदा, नवादा सहित अन्य गांवों के ग्रामीणों ने बताया है कि इस सड़क मार्ग पर सरकार से लेकर प्रशासन एवं कार्य एजेंसियों का जरा भी ध्यान नहीं है। सड़क गड्ढों में तब्दील रहने की वजह से सड़क मार्ग पर वाहन चालकों से लेकर पैदल चलने वाले राहगीरों को भी कई मुसीबतों से गुजरना पड़ रहा है। इस सड़क से लाभान्वित ग्रामीणों का कहना है कि बारिश होने पर गड्ढे में लबालब पानी भर जाने से छोटे-छोटे टापू में परिणत हो जाता है, इस कारण वाहन चालक प्राय: अनियंत्रित हो जाया करते हैं। मालूम हो नवादा इलाके के साथ-साथ भागलपुर से लेकर सन्हौला, कहलगांव सहित झारखंड के विभिन्न जिलों तक की यात्रा के लिए यह सबसे सरल लघु एवं उत्तम मार्ग है, लेकिन इस प्रमुख सड़क मार्ग की दुर्दशा पर किसी की नजर नहीं पड़ी है। रखरखाव एवं मेंटेनेंस के अभाव में सड़क का खास्ता हाल रहने की वजह से जहां आमजन काफी परेशान नजर आ रहे हैं, वहीं नवादा बाजार सहायक थाना पुलिस प्रशासन को भी गश्ती से लेकर थानाक्षेत्र में विधि- व्यवस्था कायम करने में भी काफी परेशानियों से जूझना पड़ता है। इस संबंध में स्थानीय विधायक भूदेव चौधरी से पूछे जाने पर जानकारी देते हुए बताया है कि राजावर-नवादा सड़क मार्ग का बहुत जल्द ही चौड़ीकरण होने जा रहा है। उक्त सड़क मार्ग को सड़क से पीडब्ल्यूडी में परिणत करते हुए चौड़ीकरण कार्य बहुत जल्द प्रारंभ होने जा रहा है जो टेंडर वर्क में है। इधर इस सड़क मार्ग के रास्ते यात्रा करने वाले यात्रियों का बराबर शिकायत सुनने को मिलता है कि सड़क मार्ग सही नहीं रहने की वजह से राजावर मोड़ चौक एवं नवादा बाजार स्टैंड पर वाहन चालकों द्वारा यात्रियों से मनमाने एवं अनाप-शनाप तरीके से दो से तीन गुना भाड़ा वसूला जाता है। वाहन चालकों से लेकर स्टैंड किरानियों तक का इतना मन बढ़ गया है कि सड़क गड्ढे में तब्दील रहने की वजह बताकर ये यात्रियों से अधिक भाड़ा वसूलते हैं। इस कारण से इलाके के लाभान्वित यात्री गड्ढेनुमा सड़क में अधिक भाड़ा देकर आर्थिक शोषण के शिकार होने के साथ-साथ हिचकोले खाते हुए इस सड़क मार्ग से यात्रा करने को विवश हैं।

बजरंगबली मंदिर के गेट को भी नहीं बक्शे चोर, युवाओं में आक्रोश

बिहार पत्रिका। प्रीतम कुमार राव

रजौन। बांका। बिहार। जिलांतर्गत रजौन थानाक्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटना में लगातार इजाफा हो रही है। अब तक जहां चोर घरों से दोपहिया वाहन से लेकर चारपहिया वाहन तथा समरसेबल आदि तक चोरी कर ले भाग जा रहे थे, वहीं अब चोरों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि ये लोग अब भगवान के घरों के दरवाजे तक को नहीं छोड़ रहे हैं। ताजा मामला रजौन प्रखंड अंतर्गत खैरा मैदान स्थित बजरंगबली के मंदिर की बताई जा रही है, जहां अज्ञात चोरों ने रविवार की देर रात्रि मंदिर में लगे लोहे की गेट को उखाड़ ले भागा है। वहीं इस घटना की सूचना के बाद मैदान में खेलकूद एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं में काफी आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवाओं की टोलियों ने ही आपस में चंदा कर इस मंदिर का निर्माण कराया है। बता दें कि प्रतिदिन सुबह एवं शाम के समय में काफी संख्या में यहाँ युवक एवं युवतियों की टोली खेलकूद के साथ-साथ सैनिक, अर्धसैनिक बल एवं रेलवे सहित विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा में होने वाली शारीरिक परीक्षा में हिस्सा लेने के लिए दौड़, ऊंची कूद, लम्बी कूद, गोला फेंक आदि का नियमित अभ्यास करने खैरा मैदान आते हैं। वहीं अभ्यास करने से पूर्व तथा घर वापसी से पूर्व युवक एवं युवतियां इस मंदिर में स्थापित बजरंगबली की प्रतिमा को साष्टांग दंडवत प्रणाम करना नहीं भूलते हैं। यहाँ खेलकूद करने आने वाले युवाओं ने बताया कि मुश्किल से 7 से 8 किलोग्राम वजन का लोहे का दरवाजा होगा, जिसे चोरों ने चुरा लिया है। वहीं युवाओं की टोली ने इस घटना को लेकर रजौन थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत देने की बात कही है।

पीरपैंती के पूर्व बीडीओ के खिलाफ मुख्यालय ने मांगी केस डायरी

बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

भागलपुर। बिहार। सिल्क सिटी भागलपुर जिलांतर्गत बहुचर्चित सृजन घोटाला मामले में सामान्य प्रशासन विभाग ने जिला प्रशासन से घोटाले के अभियुक्त चंद्रशेखर झा के खिलाफ एफआईआर की कॉपी, पर्यवेक्षण टिप्पणी और केस डायरी मांगी है। चंद्रशेखर झा पूर्व में पीरपैंती प्रखंड में बतौर बीडीओ कार्यरत थे। सामान्य प्रशासन विभाग ने अविलंब यह डॉक्यूमेंट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। पीरपैंती प्रखंड प्रशासन द्वारा 20.09.2017 को कोतवाली थाने में प्राथमिक दर्ज करायी गयी थी। यह केस हैंडओवर लेते हुए सीबीआई के पटना कार्यालय ने 16.08.2018 को मामला दर्ज किया और घोटाले की जांच शुरू की। पूर्व बीडीओ चंद्रशेखर के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सीबीआई ने अभियोजन की स्वीकृति जिला प्रशासन से मांगी थी, जिस पर दो माह पहले जिला प्रशासन ने स्वीकृति दे दी थी। लेकिन अभियोजन की स्वीकृति के साथ एफआईआर की कॉपी, पर्यवेक्षण टिप्पणी व केस डायरी नहीं भेजी गयी थी। सीबीआई के अनुरोध पर ये तीनों कागजात मांगे गये हैं। पीरपैंती प्रखंड प्रशासन द्वारा दर्ज प्राथमिकी में इस बात का उल्लेख है कि 20.12.2003 को तत्कालीन डीएम के पत्रांक 1136 (वि.) के आधार पर पीरपैंती प्रखंड कार्यालय द्वारा सृजन संस्था में चार खाते खोले गये थे। इनमें दो खाते 2004 और दो खाते 2005 में खोले गये थे, तीन खाते 2009 और एक खाता 2008 में बंद किये गये थे। बताते चलें कि पीरपैंती के तत्कालीन बीडीओ सुनील कुमार ने कोतवाली थाने में सृजन घोटाला व वित्तीय अनियमितता से जुड़े मामले को लेकर प्राथमिक दर्ज करायी थी। पीरपैंती प्रखंड कार्यालय के बैंक खाते से 09 करोड़ 52 लाख 66 हजार 926 रुपये का अवैध तरीके से ट्रांसफर हुआ था। इस मामले में बैंक ऑफ बड़ौदा की डॉ0 आरपी रोड शाखा, इंडियन बैंक की भागलपुर शाखा और सृजन महिला विकास सहयोग समिति लिमिटेड सबौर द्वारा जालसाजी करते हुए अवैध तरीके से राशि की निकासी का आरोप लगाया गया था

ओवरलोड वाहनों के खिलाफ अभियान चलाने का निर्देश

बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

भागलपुर। बांका। बिहार। शहर में ओवरलोड वाहनों के परिचालन को लेकर परिवहन मुख्यालय ने सख्ती बरतने का निर्देश दिया है। इसके लिए मुख्यालय ने ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने को कहा है, ताकि इसके परिचालन को रोका जा सके। इसके लिए परिवहन विभाग आयुक्त बी. कार्तिकेय धनजी ने सभी जिलों के डीटीओ, एमवीआई और ईएसआई को पत्र लिखा है, साथ ही कहा है कि कार्रवाई की मॉनिटरिंग मुख्यालय में हर हफ्ते होगी। जिन जिलों का प्रदर्शन बेहतर नहीं होगा, उन जिलों की अलग से समीक्षा की जाएगी।

परिवहन मुख्यालय ने अपने पत्र में कहा है कि हफ्ते में तीन दिन ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाना है। इस दौरान डीटीओ, एमवीआई और ईएसआई कार्रवाई करेंगे। अलग- अलग

इलाकों में जहां ओवरलोड ट्रकों की आवाजाही होती है, वहां अभियान चलाना है। अधिकारियों ने परिवहन मुख्यालय के निर्देश के बाद कार्रवाई तेज करने को लेकर रणनीति तैयार कर ली है। एमवीआई के एक अधिकारी ने बताया कि वे लोग सरप्राइज चेकिंग जगह बदल- बदलकर करेंगे, ताकि ओवरलोड वाहन चालकों को सक्रिय होने से पहले पकड़ा जा सके। वहीं डीटीओ जनार्दन कुमार ने बताया कि ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसके लिए सरप्राइज चेकिंग अभियान चलाया जाएगा, ताकि इस पर लगाम लग सके।

कजरैली में बनेंगे होमगार्ड के 03 कार्यालय

बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

भागलपुर। बिहार। सिल्क सिटी भागलपुर जिलांतर्गत होमगार्ड के तीन कार्यालयों का निर्माण नाथनगर के कजरैली में होगा। इनमें होमगार्ड के प्रमंडलीय, बटालियन व जिला समादेश कार्यालय शामिल होंगे। इसके लिए जिला प्रशासन के स्तर से जमीन ट्रांसफर करने की प्रक्रिया को अंतिम रुप दिया जा रहा है। जल्द ही जमीन का नि:शुल्क अंतर विभागीय ट्रांसफर कर दिया जायेगा और इसके बाद भवन का निर्माण शुरू होगा। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के निर्देश पर उक्त बिहार सरकार के स्वामित्व की जमीन कजरैली के धावा मौजा में सीओ के स्तर से चिन्हित की गयी है। गृह रक्षा वाहिनी के प्रमंडलीय कार्यालय, बटालियन कार्यालय व जिला समादेश का कार्यालय खोलने की योजना है, इसके लिए जिला प्रशासन से

जमीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। नाथनगर के कजरैली मौजा में 5.20 एकड़ सरकारी जमीन चिन्हित की गयी है। इस जमीन पर पूर्व में अवैध तरीके से उत्खनन कार्य किया जा रहा था। इस पर रोक लगाने के लिए जिलाधिकारी ने एसएसपी को पत्र लिखा था, ताकि भवन निर्माण करने में कोई दिक्कत नहीं हो। सैंडिस कंपाउंड से होमगार्ड का कार्यालय हटने के बाद वर्तमान में यह समाहरणालय परिसर व कंबाइंड बिल्डिंग में संचालित हो रहे हैं।

सभी शिक्षकों को विशेष दिवस की शुभकामनाएं.....

बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

शिक्षक दिवस पर उन सभी शिक्षकों के प्रति जिनके बदौलत मैं यहां तक पहुंचा हूं, कृतज्ञता प्रकट करते हुए उनको नमन करता हूं एवम् देश के समस्त शिक्षकों को शिक्षक दिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। शिक्षा वो शेरनी का दूध है जो जितना पिएगा वो उतना ही दहाड़ेगा"। डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर ने कहा है कि शिक्षा बिना शिक्षक के संभव नहीं हो सकती, इसलिए व्यक्ति के जीवन में शिक्षक की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ना केवल व्यक्ति के लिए बल्कि राष्ट्र के लिए भी शिक्षक की भूमिका का कोई दूसरा स्थान नहीं ले सकता है। शिक्षकों को अपने अमूल्य व्यवसाय पर गौरवान्वित महसूस करना चाहिए। शिक्षक दिवस शिक्षा की ज्योति को निरंतर प्रकाशित करने का संकल्प दिवस होता है। प्रत्येक सफल व्यक्ति चाहे वो किसी भी पद व स्थान पर सुशोभित हो उसके पीछे उसके शिक्षकों की कृपा ही रहती है। शिक्षक का कार्य कल्याणकारी होता है, वह मानवीय निर्माण में सृजनात्मक भूमिका निभाता है। वह मानवीय जीवन को ज्ञान से सिंचित कर जीने योग्य बनाता है, इसलिए शिक्षकों को अपने चरित्र, सुव्यवहार, आचरण तथा व्यवसाय के सही अर्थों को समझते हुए अपने आपको गौरवान्वित महसूस करना चाहिए। शिक्षक के ऊपर समाज निर्माण तथा राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी रहती है, इसलिए शिक्षक की कोई भी लापरवाही भविष्य निर्माण पर भारी पड़ सकती है। शिक्षक को यह भी जानना होगा कि इसे ज्ञान की तीव्र प्रेषण गति में वह कहीं पीछे नारह जाए। शिक्षक को अपने ज्ञान अनुभव एवं जागरुकता से विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा समाज पर अपना प्रभाव बनाकर श्रेष्ठ रुप से प्रस्तुत करना होगा। शिक्षक समाज में नेतृत्व प्रदान करता है यह नेतृत्व राजनीतिक नहीं, बल्कि ज्ञान का नेतृत्व होता है। शिक्षक को अपने चरित्र तथा आचरण से व्यवसाय के लिए लोगों में विश्वास पैदा करना चाहिए। शिक्षक का चरित्र उदाहरणीय एवं अनुकरणीय होना चाहिए। उसका वार्तालाप, आचरण व्यवहार, परिधान, चरित्र, ज्ञान तथा नेतृत्व उच्च श्रेणी का होना चाहिए। शिक्षक को विद्यार्थियों उनके अभिभावकों तथा समाज में अपने प्रति मान-सम्मान व श्रद्धा का भाव पैदा करना चाहिए। यह तभी संभव है जब वो कर्मठता, ईमानदारी तथा समर्पित भाव से अपना शिक्षण कार्य करेगा। शिक्षण एक बहुत ही पुनीत व्यवसाय है। शिक्षक होना सौभाग्य की बात है, वर्तमान समय में शिक्षकों के लिए चुनौतियां भी कम नहीं है। समाज के हर व्यक्ति तथा वर्ग की दृष्टि हर समय शिक्षक पर रहती है।

समय- समय पर उसे कई तानें, फब्तियां, बातें सुनने पड़ती है। उस पर कटाक्ष किए जाते हैं उस पर व्यंग्य बाण चलाए जाते हैं जिससे कई बार उसका मनोबल भी टूटता है। समाज के सभी वर्गों से यह आशा की जाती है कि वह अपने बच्चे के जीवन निर्माता पर विश्वास कर उनका सम्मान करें तभी कल्याण संभव है। शिक्षक दिवस शिक्षा की ज्योति को निरंतर प्रकाशित करने का संकल्प दिवस होता है। "तमसो मां ज्योतिर्गमय" इसका अर्थ है- अंधेरे से उजाले की ओर जाना। इस प्रक्रिया को वास्तविक अर्थों में पूरा करने के लिए शिक्षा, शिक्षक और समाज तीनों की बड़ी भूमिका होती है। किसी भी समाज की अभिलाषा, आकांक्षा, आवश्यकता, अपेक्षा और आदर्शों को सफल बनाने का कार्य शिक्षक ही कर सकते हैं। डॉ0 राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। राधाकृष्णन के अनुसार शिक्षक होने का अधिकारी वही व्यक्ति है जो अन्य जनों से अधिक बुद्धिमान व विनम्र हो। उनका कहना था की उत्तम अध्यापन के साथ-साथ शिक्षक का अपने विद्यार्थियों के प्रति व्यवहार व स्नेह उसे एक सुयोग्य शिक्षक बनाता है। मात्र शिक्षक होने से कोई योग्य नहीं हो जाता बल्कि यह गुण उसे अर्जित करना होता है। शिक्षण का शाब्दिक अर्थ शिक्षा प्रदान करना है जिसकी आधारशिला शिक्षक रखता है। भारत में शिक्षक सदैव पूजनीय रहे हैं क्योंकि उन्हें गुरु कहा जाता है। हमारे शिक्षकों में संवेदनशीलता, आत्मीयता, परोपकार वृत्ति, सहृदयता, ममता, मानवतावादी वृत्ति, सीधे सच्चे प्रतिष्ठित, सौहार्द्रता, दया- करुणा, सहानुभूति, संघर्षशीलता, दायित्व के प्रति सजगता मार्गदर्शकता प्रवीणता, दक्षता सक्रियता, मूल्यांकन परकता, परिवर्तनवादिता, विषय ज्ञान पर असाधारण प्रभुत्व आदि गुण होते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है कि शिक्षा की निरंतर बदल रही व्यावसायिक नीतियों के कारण भारतीय समाज में शिक्षक अन्याय व अत्याचार के शिकार हो रहे हैं। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था होनी चाहिए जिससे समाज के चरित्र का निर्माण हो, मन की शक्ति में वृद्धि हो, बुद्धि का विस्तार हो और जिसमें व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सह संपादक कृष्णा टेकरीवाल के द्वारा कंकड़बाग पटना-3 से प्रकाशित। रजिस्ट्रेशन नंबर: UDYAM-BR-17-0007168, नोट: खबर से संबंधित सारी जिम्मेवारी जिला ब्यूरो एवं प्रखंड संवाददाताओं की होगी, किसी भी बात विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना होगा।